DAYANAND ANGLO VEDIC PUBLIC SCHOOL, AIROLI

FIRST TERM (2024 -25)

SAMPLE PAPER

SUBJECT - HINDI

STD - IX **MARKS -80**

सामान्य निर्देशः

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं।
2. खंड ' क ' में वस्तुपरक तथा लघुउत्तरीय प्रश्न है।
3. खंड ' ख ' में अति लघुउत्तरीय प्रश्न है।
4. खड़ ' ग ' में बहुविकल्पीय तथा वर्णनात्मक प्रश्न है।
5. खड़ 'घ' लेखन कार्य पर आधारित है।
6. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

खण्ड- ' क ' (अपठित बोध)

प्रश्न1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए-7

मानव सभ्यता पर औद्योगिक क्रांति की चमक अभी थमी भी नहीं कि एक नई तकनीकी क्रांति ने अपने आने की घोषणा कर दी है। 'नैनो-तकनीक' के समर्थक दावा करते हैं कि जब यह अपने पूरे वजूद से आएगी तो घरती का नामोनिशान मिट जाएगा और नैनो रोबोट की स्वनिर्मित फौज पूरी तरह क्षत-विक्षत शव को पलक झपकते ही चुस्त-दुरुस्त इंसान में तबदील कर देगी।दूसरी ओर नैनो-तकनीक की असीमित शक्ति से आशंकित इसके विरोधी इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियों से भी ज्यादा अभिशप्त समझते हैं। इन दोनों अतिवादी धारणाओं के बीच इतना अवश्य कहा जा सकता है कि हम तकनीकी क्रांति के एक सर्वथा नए मुहाने पर आ पहुंचे हैं, जिसके बाद उद्योग, चिकित्सा, दूरसंचार, परिवहन सहित हमारे जीवन में शामिल तमाम तकनीकी जटिलताएँ अपने पुराने अर्थ खो देंगी। इस अभूतपूर्व तकनीकी बदलाव के सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थ क्या होगे, यह देखना सचमुच दिलचस्प होगा।आदमी ने कभी सभ्यता की बुनियाद पत्थर के बेडौल हथियारों से डाली थी, अनगढ़ शिलाओं को छीलकर उन्हें कुल्हाड़ों और भालों की शक्ल में डाला और इस उपलब्धि ने उत्पादकता की दृष्टि से उसे दूसरे जंतुओं की तुलना में लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया। औज़ारों को बेहतर बनाने का यह सिलसिला आगे कई विस्मयकारी मसलों से गुजरा और औद्योगिक क्रांति ने तो मनुष्य को मानो प्रकृति के नियंत्रक की भूमिका सौंप दी। तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली इस यात्रा में एक बात ऐसी है, जो पाषाण युग के बेढब हथियारों से चमत्कारी माइक्रोचिप निर्माण तक एक जैसी बनी रही। हम अपने औजार, कच्चे माल को तराशकर बनाते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि सारे पदार्थ परमाणुओं से मिलकर बने हैं, लेकिन पदार्थों के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनमें परमाणुओं को किस तरह सजाया गया है। कार्बन के परमाणुओं की एक खास बनावट से कोयला तैयार होता है, तो दूसरी खास बनावट उन्हें हीरे का रूप दे देती है। परमाणु और अणुओं को इकाई मानकर मनचाहा उत्पाद तैयार करना ही 'नैनो-तकनीक' का सार है।

प्रश्न- निम्न प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए- **(1×3=3)**

I.नैनो तकनीक के वजूद में आने का क्या परिणाम होगा? 1

(क) बेरोजगारी को बढ़ावा मिलेगा

(ख) देश में समृद्धि आएगी

(ग) धरती का नामो-निशान मिट जाएगा

(घ) सुविधाओं में वृद्धि होगी

II. नैनो तकनीक के विरोधी द्वारा इसे मिस्र के पिरामिडों में सोई ममियो से भी ज्यादा अभिशप्त क्यों माना गया? 1

(क) यह तकनीक संपूर्ण मानव जाति के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकती है

(ख) यह तकनीक विकास के नए प्रतिमान स्थापित करेगी

(ग) यह तकनीक कौशल को बढ़ाने के बजाय घटा देगी

(घ) यह तकनीक नए युग में चार चाँद लगा देगी

III. गद्यांश के अनुसार 'नैनो-तकनीक' क्या है? 1

(क) छोटी-छोटी मशीनों का प्रयोग करके बड़ी चीज बनाना

(ख) परमाणु और अणुओं को मूलभूत इकाई मानकर इच्छानुसार उत्पाद तैयार करना

(ग) परमाणु और अणुओं में भेद न करते हुए इनका प्रयोग उत्पाद बनाने में करना

(घ) तकनीक के क्षेत्र में मनुष्य को सर्वाधिक महत्त्व प्रदान करना

प्रश्न - निम्न प्रश्नों के उत्तर दो तीन पंक्तियों में लिखिए - (2×2=4)

IV. 'नैनो-तकनीक' के समर्थक क्या दावा करते हैं ? 2

V. तकनीकी कौशल की हतप्रभ कर देने वाली यह यात्रा कैसी है ? 2

प्रश्न 2.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर सूचना के अनुसार लिखिए-7

हमारे देश के त्योहार या हमारे पर्व, मनुष्य के भावनात्मक विकास में सदैव सहभागी रहे हैं। ये त्योहार करुणा, दया, सरलता, आतिथ्य सत्कार, पारस्परिक प्रेम एवं सद्भावना तथा परोपकार जैसे नैतिक गुणों का मनुष्य में विकास करते हैं। इन्हीं नैतिक मूल्यों की अवधारणा से मनुष्य को चारित्रिक अथवा भावनात्मक बल प्राप्त होता है। नैतिक मूल्यों के साथ-साथ त्योहारों को मनाने से जो खुशियाँ मिलती हैं, आज के तनावग्रस्त माहौल में उसका महत्व भी कम नहीं है। भारत को यदि त्योहारों का देश कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस देश में विभिन्न धर्मों एवं संप्रदायों के लोग निवास करते हैं तथा किसी न किसी धर्म या संप्रदाय से संबंद्ध त्योहारों का क्रम यहाँ चलता ही रहता है।हमारे देश में कई प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें कुछ धार्मिक दृष्टि से जुड़े होते हैं, तो कुछ नए वर्ष के आगमन से जुड़े होते हैं। त्योहारों के कारण पूरा वर्ष उमंग से भरा-पूरा बना रहता है। नए वर्ष के आगमन के समय तो खेत लहलहाने लगते हैं, उनकी कटाई आरंभ हो जाती है। किसान का मन भी प्रफुल्लित हो जाता है। इसी प्रकार, महापुरुषों की याद में मनाए जानेवाले त्योहारों में भी एक विशेष प्रकार का वातावरण दिखाई देने लगता है। ये त्योहार जहाँ जनमानस में उल्लास, उमंग एवं खुशहाली भर देते हैं, वहीं दूसरी ओर हमारे मन को देशभक्ति की भावना एवं गौरव की भावना से भी सराबोर कर देते हैं। महापुरुषों पर आधारित त्योहार अकसर हमें इस बात का ज्ञान कराते रहते हैं कि देश व समाज में सद्भावना एवं सद्विचारों के द्वारा ही हम जीवन में प्रगति की ओर बढ़ सकते हैं। इन सभी त्योहारों के लक्ष्य एक ही हैं कि हम सभी त्योहारों को मिल-जुलकर एक साथ हर्षोल्लास के साथ मनाएँ और उनमें निहित अच्छे संस्कारों तथा विचारों को संपूर्ण समाज में फैलाने में मदद करें, जिससे सभी धर्मों के लोगों में एकजुटता व समन्वयता का भाव जाग्रत हो सके।

प्रश्न- निम्न प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए- (1×3=3)

1. मनुष्य के भावनात्मक विकास में कौन सदैव सहभागी रहे हैं ? 1

(क) पर्व (ख) परोपकार

(ग) सद्भावना (घ) किसान

2. त्योहारों को किस प्रकार मनाना चाहिए ? 1

(क) एकांगी भाव से (ख) मिल-जुलकर

ग) पटाखा फोड़कर (घ) अभद्रता से

3. त्योहारों का संबंध किससे नहीं है ? 1

(क) कृषि से (ख) महापुरुषों से

(ग) नव वर्ष से (घ) धर्मांधता से

प्रश्न - निम्न प्रश्नों के उत्तर दो तीन पंक्तियों में लिखिए - (2×2=4)

4. त्योहार मनुष्य में कौन-कौन से नैतिक गुणों का विकास करते हैं ? 2

5. जीवन में प्रगति के लिए किन - किन विचारों की आवश्यकता है ? 2

खंड ' ख ' व्यावहारिक व्यकरण

प्रश्न 3. (क) शब्द किसे कहते हैं ? 1

(ख) शब्द, पद के रूप में कब बदल जाता है ? 1

प्रश्न 4. क. दिए गए शब्द समूह में से उचित अनुनासिक शब्द चुनकर लिखिए - 1

(क) भयकर (ख) माँगना (ग) कारवाँ

ख. निम्न शब्द में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए - 1

(क) प्रारभ

प्रश्न 5. (क) ' सर्वाधिक ' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग छाँटकर लिखिए। 1

(ख) ' अन् ' उपसर्ग से दो उचित शब्द बनाइए। 1

(ग)' पौराणिक ' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय छाँटकर लिखिए। 1

(घ) निम्न शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय व मूल शब्द छाँटकर लिखिए – 1

(क) राष्ट्रीयता

प्रश्न 6. (क) ' महेंद्र ' में कौन - सी संधि होगी ? 1

(ख) ' सदैव ' शब्द का संधि -विच्छेद कीजिए। 1

(ग) ' मूल्य + अंकन' से संधियुक्त जो शब्द बनेगा , लिखिए। 1

(घ) निम्न में से कौन - सा संधि का प्रकार नहीं है - 1

(क) अनुस्वार संधि (ख) स्वर संधि (ग) विसर्ग संधि (घ) व्यंजन संधि

प्रश्न 7 (क) जहाँ वाक्य की गति अंतिम रूप ले ले, वहाँ किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है ? 1

(ख) नीचे दिए गए वाक्य में विराम - चिह्नों का प्रयोग कीजिए - 1

राम तुम अब सो जाओ

(ग) (;) कोष्ठक में दिए गए विराम चिह्न का नाम क्या है ? 1

(घ) त्रुटिपूरक या हंसपद के लिए प्रयोग में आनेवाला चिह्न कौन-सा है ? 1

खंड-ग (पाठ्य पुस्तक)

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्प में से छाँटकर लिखिए- 1×5=5

ल्हाटू एक नायलॉन की रस्सी लाया था। इसलिए अंगदोरजी और मैं रस्सी के सहारे चढ़े, जबकि ल्हाटू एक हाथ से रस्सी पकड़े हुए बीच में चला। उसने रस्सी अपनी सुरक्षा की बजाय हमारे संतुलन के लिए पकड़ी हुई थी। ल्हाटू ने ध्यान दिया कि मैं इन ऊँचाइयों के लिए सामान्यतः आवश्यक, चार लीटर ऑक्सीजन की अपेक्षा, लगभग ढाई लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट की दर से लेकर चढ़ रही थी। मेरे रेगुलेटर पर जैसे ही उसने ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाई, मुझे महसूस हुआ कि सपाट और कठिन चढ़ाई भी अब आसान लग रही थी। दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी। उस ऊँचाई पर तेज हवा के झोंके भुरभुरे बर्फ के कणों को चारों तरफ़ उड़ा रहे थे, जिससे दृश्यता शून्य तक आ गई थी। अनेक बार देखा कि केवल थोड़ी दूर के बाद कोई ऊँची चढ़ाई नहीं है। ढलान एकदम सीधा नीचे चला गया है।

प्रश्न -

1. नायलॉन की रस्सी कौन लाया था?

   1 अंगदोरजी 2 लेखिका 3 ल्हाटू 4 निवासी

2. दक्षिणी शिखर पर दृश्यता शून्य तक क्यों आ गई थी ?
   1 ढलान के कारण 2 पानी के कारण
   3 भुरभुरे बर्फ के कणों के चारों तरफ उड़ने कारण 4 बादलो के कारण

3. ल्हाटू ने रस्सी को बीच से क्यों पकड़ा हुआ था ?
   1 लेखिका व अंगदोरजी के संतुलन के लिए 2 भागने के लिए
   3 ऊँचाई के लिए 4 उतरने के लिए

4. लेखिका को सपाट पर कठिन चढ़ाई भी आसान कब लगने लगी?
   1 ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने पर 2 ढलान आने पर
   3 रस्सी पकड़ने पर 4 हवा की तेजी हवा तेज होने पर

5. ऊँचाई पर तेज हवा के झोंके भुरभुरे बर्फ के कणों को उड़ा रहे थे जिससे क्या शून्य तक आ गयी थी?
   1 दृश्यता 2 चोटी 3 ढलान 4 पानी

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्न के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए- (2×3=6)

1 व्यक्ति की पहचान उसकी उसकी पोशाक से होती है। क्या आप इस बात से सहमत हैं अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

2 ऐसी कौन - सी परिस्थितियों उत्पन्न हो गई थीं जिसके कारण बुढ़िया को लड़के के मृत्यु के दूसरे ही दिन खरबूजे बेचने जाना पड़ा था ?

3 लेखक और अतिथि के संबंध संक्रमण के दौर से गुजर रहे थे। इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए ।

4 सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर लेखक और अतिथि के बीच क्या हुआ? लेखक के मन में कौन-से परिवर्तन आने लगे ?

प्रश्न 10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्प में से छाँट कर लिखिए- (1×5=5)

गाकर गीत विरह के तटिनी वेगवती बहती जाती है,
दिल हलका कर लेने को उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता,
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"
गा-गाकर बह रही निर्झरी, पाटल मूक खड़ा तट पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है ?

प्रश्न

1. 'तटिनी' शब्द का सही पर्यायवाची नहीं है-
   1 नदी 2 सरिता 3 तरंगिणी 4 वेगवती
2. ' उपले ' शब्दों का अर्थ है -
   1 शुभा 2 तट 3 कंडे 4 गमले
3. गुलाब किस से स्वर की अपेक्षा करता है?
   1 नदी से 2 ईश्वर से 3 किनारों से 4 पेड़ से
4. नदी उपलों से क्यों कुछ कहती है ?
   1 मन की बात 2 समय काटने के लिए
   3 दिल हल्का करने के लिए 4 अपनी गति बढ़ाने के लिए
5. गुलाब कौन -सा गीत सुनाना चाहता था ?
   1 अपने पतझड़ के सपनों का 2 अपने स्वर न होने का
   3 अपने जग का 4 अपने एक स्थान पर खड़े रहने का

प्रश्न 6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्न के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए- **(2×3=6)**

1. रैदास के पहले पद में भगवान और भक्त की जिन-जिन चीजों से तुलना की गई है,उनका वर्णन कीजिए।
2. नट किस कला में सिद्ध होने से ऊपर चढ़ जाता है ?
3. मोती,मानुष, चुन के संदर्भ में पानी के महत्व को स्पष्ट कीजिए ।
4. यदि सभी सिर्फ गीत होते होते हैं, तो अगीत क्या है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50 से 60 शब्दों में दीजिए- **(4×2=8)**

1 पाठ में कौवे को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी कहा गया है। लेखिका ने ऐसा क्यों कहा है? अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

2 किन कारणों से लेखक ने कुएँ में से चिट्टियाँ निकालने का निर्णय लिया? क्या लेखक का ऐसा करना सही था ?

3 लेखक ने कहा -"उस वक्त मैं झूठ बोलना जानता ही ना था।"लेखक के ऐसा कहने का क्या तात्पर्य था ? किसी मुश्किल परिस्थिति में फँसने पर आप उससे उबरने के लिए झूठ का सहारा लेने को आप सही समझते हैं या गलत? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

खंड - घ (रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 8 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- **5**

क) यात्रा जिसे मैं भूल नहीं पाता
संकेत बिंदु –
कहाँ की यात्रा-- विशेष घटना-- आनंद के क्षण --अविस्मरणीय क्यों

ख) स्वच्छता आंदोलन
संकेत बिंदु -
स्वच्छता की आवश्यकता- लाभ- स्वच्छता से आने वाला बदलाव – हमारा उत्तरदायित्व

ग) युवाओं के लिए मतदान का अधिकार
संकेत बिंदु-
मतदान का अर्थ - मतदान के अधिकार- मतदान के प्रति जागरूकता- अनिवार्य मतदान के लिए प्रयास।

प्रश्न 9 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए- **5**

1. आप अरुण/ अरुणिमा हैं। छात्रावास में रहने वाले अपने अस्वस्थ मित्र को आने वाली परीक्षा के लिए पत्र लिखकर मनोबल बढ़ाएँ।
2. कुसंगति से बचने की शिक्षा देते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

प्रश्न 10 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में संवाद लेखन कीजिए- **5**

1. नई कार खरीदने के बारे में पिता और पुत्र के बीच होने वाले बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।
2. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) अच्छी है या बुरी । इस विषय पर दो मित्रों के बीच होने वाले बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

प्रश्न 11 नीचे गए चित्र को देखकर 100 शब्दों में उसका वर्णन कीजिए- **5**